GOVT. BRENNEN COLLEGE CENTRAL LIBRARY THALASSERY

M 26512

Reg. No.: .....

Name: .....

I Semester M.A./M.Sc./M.Com. Degree (Reg./Sup./Imp.) Examination, November 2014
HINDI LANGUAGE AND LITERATURE
(2014 Admn. under CBSS)
HIN 1C01 : Medieval Hindi : Poetry

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1) मनहुँ कला, ससभान कला सोलह सौ बन्निय।
बाल बैरा ससि ता समीप अम्रित रस पिन्निय।
बिगसि-कमल-स्रग, भ्रमर, बेनु षंसन म्रिग लुट्टिय।
हीर, कीर, अरु बिंब, मोति, नष, सिष अहिघुट्टिय।
छप्पति गर्यद हरि हरा गति, बिह, बेनाय संचै संचिय।
पदमिनिय रूप पदमावति मनहुँ काम-कामिनि रचिय।

2) जोग-जुगति सिखए सबै, मनो महामुनि मैन।
चाहत पिय-अद्वैतता, काननु सेवत नैन।।
अनियोर दीरध दृगनु, किती न तरुनि समान।
वह चितवनि औरे कछु, जिहिं बस होत सुजान।।

3) हमरे कौन जोग व्रत साधै ?
मृगत्वच भस्म अधारि जटा की को इतना अवराधै ?
जाकी कहुँ थाह नहि पैए अगम, अपार अगाधै।
गिरिधर लाल छबीले मुख पर इते बाँध को बाँधे।।
आसन पवन विभूत मृगछाला ध्याननि को अवराधै ?
सूरदास मानिक परिहरि के राख गांठि को बाँधे।।

P.T.O.

4) राम बिरह सागर यहँ भरत मगन मन होत।
बिप्र रूप धरि पवन सुत आइ गएउ जनु पोत।।
बैठे देखि कुसासन जटा मुकुट कृस गात।
राम राम रघुपति जपत स्रवत नयन जलजात।।

5) चली मैं खोज में पिय की। मिटी नहिं सोच यह जिय की।
रहे नित पास ही मेरे। न पाऊँ यार को हेरे।
बिकल चहूँ ओर को धाऊँ। तबहुँ नहिं कंत के पाऊँ।
धरौं केहि भाँति सों धीरा। गयौ गिर हाथ से हीरा।।
कटी जब नैन की झाई। लख्यौ तब गगन में साई
कबीर शब्द कहि त्रासा। नयन में यार को बासा।

6) चढा आसाढ, गगन घन गाजा। साजा बिरह दुदु दल बाजा।
घूम, साम धौरे घन धाए। सेत धजा बग पाँति देखए।
खड़ग बीजू चमकै चहुँ ओश। बुंद बान बरसहि घन घोरा।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरे।
दादुर मोर कोकिला, पीऊ। गिरै घट रहै न जीऊ।
पुष्प नखत सिर ऊपर आवा। हौ बिनु नाह, मंदिर क्यों छावा ?
अद्रा लाग लगि भुइँ लेई। मोहिं बिनु पिउ को आदर देई।
जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारौ और गर्ब
कंत पियारा बहिरै हम सुख भूला सर्ब।

7) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छवै।
हँसि बोलनि मैं छवि फूलन की वरषा, उर ऊपर जीत है हवै
लट लोल कपोल कलोल करै, कलकंठ बनी जलजाबलि हवै
अंग अंग तरंग उठै दुति की, परिहै मनो रूप अवै घर च्वै।

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×8=24)**

1) जायसी की प्रेम भावना
2) बिहारी सतसई
3) घनानंद के प्रेम निरूपण
4) कबीर के राम
5) भ्रमरगीत में निर्गुण ब्रह्म

III. किन्हीं **तीन** प्रश्नों पर निबन्ध लिखिए (अधिकतम **300** शब्द) : **(3×12=36)**

1) सन्त काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि कबीर पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।
2) पद्मावती का सौन्दर्य वर्णन कीजिए।
3) सूरदास के वात्सल्य वर्णन का परिचय दीजिए।
4) तुलसीदास की भक्ति-भावना पर निबन्ध लिखिए।
5) सूफी काव्य परंपरा की सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।